ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

काबे की रौनक काबे का मंज़र

(हिन्दी कलाम लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): अभी नहीं मालूम

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

काबे की रौनक काबे का मंज़र
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर
देखु तो देखे जाऊँ बराबर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

हैरत से खुद को कभी देखता हूँ
और देखता हूँ कभी मैं हरम को
लाया कहां मुझको मेरा मुकद्दर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

हम्द ए खुदा से तर है ज़बाने
कानो में रस घोलती है अज़ाने
बस एक सदा आ रही है बराबर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

मांगी है मैने जितनी दुआऐ
मंजूर होंगी मकबूल होंगी
मिज़ाब ए रहमत है मेरे सर पर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

तेरे करम की क्या बात मौला
तेरे हरा की क्या बात है मौला
ता उमर करदे आना मुक़द्दर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

याद आगई जब अपनी खताऐ
अश्कों में ढलने लगी इल्तिजाऐ
रोया गिलाफ ए काबा पकड़ कर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

देखा सफा भी मरवा भी देखा
रब के करम का जलवा भी देखा
देखा रावा एक सरों का समंदर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

काबे के ऊपर से जाते नहीं है
किसको सबक ये सिखाते नहीं है
कितने मोदब है ये कबूतर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

भेजा है जन्नत से तुझको खुदा ने
चूमा है तुझ को खुद मेरे मुस्तफा ने
ऐ हज्र ए असवद तेरा मुक़द्दर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

जिस पर नबी के कदम को सजाया
अपनी निशानी कह के बताया
महफ़ूज़ रखा रब ने ये पत्थर
अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर

© ShaneNabi.In